Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education

Vol. XI, Issue No. XXI, Apr-2016, ISSN 2230-7540

पूर्वोत्तर भारत की भाषाओं की शब्दावली के सन्दर्भ में हिन्दी का योगदान – (मि़जोउ भाषा के संदर्भ में)

AN INTERNATIONALLY INDEXED PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL

www.ignited.in

पूर्वोत्तर भारत की भाषाओं की शब्दावली के सन्दर्भ में हिन्दी का योगदान – (मिज़ोउ भाषा के संदर्भ में)

Dr. Louis Hauhnar

Associate Professor, Mizoram Hindi Training College

-- X --

पूर्वोतर भारत भारत का ऐसा भाग है□जहा□कई राज्य□जन □जातिया□सम्मिलित है। इसके अंतर्गत आठ राज्य स्थित हैं जिनका नाम □□असम□मणिपुर□ मिजोउरम□नागालैंड□त्रिपुरा□सिक्किम□मेघालय□अरूणाचल प्रदेश है। पूर्वोतर भारत की सीमा में भूटान और चीन है□पूर्व में बर्मा तथा दक्षिण में बंगला देश की सीमा। यहा□का क्षेत्रफल लगभग **255** वर्ग कि□मी□ है।

पूर्वोतर भारत समस्त भारतवर्ष का **2%** भूभाग का अधिग्रहण करता है। इस क्षेत्र में ये अपनी□अपनी भाषाए□पहचान बनाये हुए है। मुख्यत □□मिजोउरम में मिजोउ□सिक्किम में सिक्किमिस□नागालैंड में नागामिस□मणिपुर में मेइतेई□ अरूणाचल में डाफल□मेघालय में खासी और गारो□असम में असमिया□त्रिपुरा में बंगला□लेकिन कहीं□कहीं पर त्रिपुरी का भी चलन हैं।

भारतवर्ष में पूर्वोतर भारत ऐसा क्षेत्र है जहा□विभिन्न भाषाए□बोली और समझी जाती है। समस्त भारतवर्ष में ऐसा दूसरा क्षेत्र नहीं है जहा□इतनी अधिक भाषिक एवं सां□तिक विविधता दिखाई देती है। उत्तर पूर्वी भारत का अवलोकन करने से यह पता चलता है कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में इन भाषाओं का श्रोत कहीं न कहीं से जुड़ता हुआ दिखाई देता है। ऐसी भाषाए□ **50** से अधिक है। इस परिवार की किसी भाषा के बोलने वालों की संख्या दो लाख□किसी की दस लाख और किसी की तीस□चालीस हज़ार भी है। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि पूर्वोतर भारत में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाए□अंततः□देश की एकता और अखंडता की गंगा बहाती हुई प्रतीत होती है और हिन्दी के बहुतायत शब्दों को अपनी भाषा में लहरों के रूप में आती□जाती प्रतीत होती है। असम□मणिपुर□त्रिपुरा□सिक्किम□मेघालय आदि में हिन्दी के हज़ारों शब्द आदत के रूप में प्रयोगित होते हैं।

अब मैं मिजोउरम का संदर्भ लेते हुए हिन्दी के प्रभाव की चर्चा करना उचित समझती हू□ मिजोउरम ऐसा प्रदेश है जहा□हिन्दी बहुत कम बोली जाती है□समझी जाती है। यह बात सत्य है कि मिजो भाषी हिन्दी के प्रयोग में कम रूचि रखते हैं जिसका मुख्य कारण इसकी भौगोलिक स्थिति है जो अन्य प्रदेशों से भिन्न है। दूसरा कारण यह है कि सन् **1966** में विद्रोह रोकने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा इस क्षेत्र में धन□जन का नुकसान अधिकाधिक हो गया था। इस कारवाई के कारण मिजोउ वासी भारत सरकार से बहुत खिन्न हो गए जिसका परिणाम स्वरूप अपने को भारतीय कहलाना पसन्द नहीं करते थे। सभी अंग्रेजी सभ्यता से ज्यादा प्रभावित होना पसन्द करते थे। ऐसी स्थिति में हिन्दी सीखना तो दूर वे सुनना भी पसन्द नहीं करते थे और बहुत लम्बे समय तक वे ऐसी मानसिकता से प्रभावित रहे। किन्तु समय के साथ□साथ मानसिकता में परिवर्तन होता रहा□क्योंकि वक्त मनुष्य का सबसे बड़ा मलहम होता है। वे अपने अतीत को धीरे□धीरे भुलाने लगे और भारतीय विचार धारा के नज़दीक पहु□ने लगे। यह मानसिकता धीरे□धीरे बढ़ती गई और आज अपने को सच्चे भारतीय कहलाने में गर्व का अनुभव करते हैं।

जब से मिजोउ जन□जातियों ने भारतीय विचार धारा को स्वीकारा□तब से भारत के अन्य राज्यों से भी संपर्क बढ़ने लगा। धीरे□धीरे मानव जीवन के सभी क्षेत्रों में रूचि बढ़ने लगी चाहे वह शिक्षा या व्यवसाय□राजनीति आदि के क्षेत्र में हो□सभी में स□□यता से योगदान करने लगे। जिसके लिये संपर्क भाषा आवश्यक हुई जो एक मात्र हिन्दी ही हो सकती है। अत□हिन्दी सीखने और सिखाने का □म धीरे□धीरे शुरू हुआ जिसका परिणाम यह हमारा हिन्दी प्रशिक्षण महाविद्यालय व अन्य हिन्दी शैक्षणिक संस्थाए□वर्तमान समय में निहित हैं। इतना ही नहीं आज हर मिजोउ भाषी हिन्दी शब्दावली को अपनी भाषा की तरह प्रयोग करते हुए देखे जा सकते है□चाहे वह बाज़ार हो□या अन्य स्थान हो। कुछ शब्दावली तो हू□बहू अर्थात् ज्यों का त्यों हो रहा है। और कुछ थोड़ा शब्दों को रूपांतरित करके बोला जाता है। इससे हिन्दी सीखने वालों को अधिकाधिक सुविधा मिलती है। उदाहरण के तौर पर कुछ शब्दों की सूची निम्नवत् दृष्टव्य है जिसमें हिन्दी के शब्द जिनका मिजोउ समुदाय के बोल□चाल में बिना किसी परिवर्तन के प्रयोग किया जाता है □□

चालाक	□	Chalak
फक्कड़	□	Phakar
बन्द	□	Band
छुट्टी	□	Chhuti
आलू	□	Aalu
दाल	□	Dal
तेल	□	Tel
दूध	□	Doot
पकौड़ा	□	Pakora
पराठा	□	Paratha
चना	□	Chana
पान	□	Paan/Meetha paan
मिठाई	□	Mithai
तेजपत्ता	□	Tejpatta

धनिया	☐	Dhania	ठेला	☐	Thela
जरदा	☐	Zarda	तामुल	☐	Tamul
इलाइची	☐	I laichi	तोलिया	☐	Tolia
चीनी	☐	Chini	थाना	☐	Thana
आटा	☐	Aata	गमछा	☐	Gamchha
सूज़ी	☐	Sujee	मूलीक्रमूला	☐	Muli/Mula
पूरी	☐	Poori	वाज़ार	☐	Bazar
पर्दा	☐	Parda	जलेवी	☐	Jalebi
छैनी	☐	Chheni	दूरदर्शन	☐	Door-Darshan
आड़ा	☐	Aara	नाला	☐	Naala
कुनिया	☐	Kunia	तारीख़	☐	Tarik
वोल्टू	☐	Boltu	पायजामा	☐	Paizama
चार□तीन	☐	Char-teen	मेला	☐	Mela
चार□चार	☐	Char-Char	चप्पल	☐	Chapal
रंदा	☐	Randa	धनिया	☐	Dhania
ईटा	☐	Ita	पुदीना	☐	Pudina
दो□तीन	☐	Dui-Teen	हातकोरा	☐	Hatkora
आठ□ड़ेढ़	☐	At-Der	कुर्ता	☐	Kurta
चाभी	☐	Chabi	साड़ी	☐	Sari
ताला	☐	Taala	सलवार	☐	Salvaar
वेल्चा	☐	Belcha	मेहेंदी	☐	Mehendi
रोड़ा	☐	Rora	हेना	☐	Hena
टीन	☐	Teen	काजल	☐	Kaajal
कमीज़	☐	Kameej	मुटिया	☐	Mutia
मिसतिरी	☐	Mistiri	दूरवीन	☐	Durbeen
वालू	☐	Balu	डाक	☐	Dak
खेला	☐	Khela	पतला	☐	Patla
रेल	☐	Rel	गुटख़ा	☐	Gutkha
गुंडा	☐	Gunda	पुलाव	☐	Pulau
चौका	☐	Choka	मालिश	☐	Maalis
चूना	☐	Chuuna	भुजिया	☐	Bhujia

लस्सी	☐	Lassi
चादर	☐	Chaadar
जलेबी	☐	Jalebi
कॉक	☐	Kak
बुंदिया	☐	Bundia
जीरा	☐	Jeera
सूजी	☐	Suzee
रसगुला	☐	Rasgula
पूजा	☐	Pooja

अब मैं कुछ ऐसे हिन्दी शब्दों को प्रस्तुत करना चाहूँगी जिनका मिजोउ भाषा में आंशिक रूपांतरण के साथ होता है।

सब्जी	☐	Sopjee
सिंघाड़ा	☐	Singgara
मटरचना	☐	Motorchana
बादाम	☐	Badam
मिर्चा	☐	Hmarcha
चूना	☐	Chinai
रोटी	☐	Ruti
पोछा	☐	Pawnchhia
कम्बल	☐	Komol
रजाई	☐	Rizai
निंबू	☐	Limbu
दही	☐	Dhoi
अलमारी	☐	Almaira
बारह मसाला	☐	Bara mosola
कलम	☐	Kolom
सज़ा	☐	Sazai
खैनी	☐	Khaini
लाभ	☐	Lap
धोबी	☐	Dobi
पापड़	☐	Papor
बोरा	☐	Buara
मील	☐	Mel
रंग	☐	Rawng
साबुन	☐	Sabawn
बेर	☐	Borai
ठेका	☐	Thika
ठेकेदार	☐	Thikedar
मसाला	☐	Mosola
बरामदा	☐	Varanda
मैदा	☐	Maida
चटनी	☐	Chotani
पापड़	☐	Papor
साहब	☐	Sap/Larsap(Governor)
हवलदार	☐	Hawldaar
आरदली	☐	Ordali
सिपाही	☐	Sipai
शैतान	☐	Setan
तवा	☐	Taava
सरकार	☐	Sawrkar
डालडा	☐	Dalda
खिलाना	☐	Khilai
मंगवाई	☐	Mangai
चौखट	☐	Chokut

वर्तमान समय में मिज़ोउ भाषी बिना किसी हिचक के हिन्दी को सहर्ष स्वीकार करते हैं और अगर मैं यह कहूँ कि हिन्दी गर्व से बोलते हैं तो गलत नहीं होगा। इसके लिए दूर जाने की आवश्यकता नहीं है यह राष्ट्रीय संगोष्ठी जो हिन्दी प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रांगण हो रही है। इसका जीता जागता उदाहरण है। यहाँ के अध्यापकों कर्मचारियों प्रशिक्षणर्थियों का योगदान और इन सबकी उत्सुकता देखते ही बनती है। अगर हम लोग चाहते तो उपर्युक्त संदर्भित शब्दों के बदले अपनी भाषा के नये शब्द बना सकते थे किन्तु हमने ऐसा नहीं किया। इससे यह उजागर होता है कि हिन्दी हमारी है और हम लोग हिन्दी के हैं। हम सभी हिन्दी प्रेमी दिन प्रतिदिन हिन्दी के शब्दों वाक्यों मुहावरों लोकोक्तियों के रूप में मिजोउ समुदाय में प्रयोग

करते हुए इसे पल्लवितपुष्पित करने का प्रयास करते हैं। निकट भविष्य में केन्द्र सरकार के साथ सहयोग करते हुए आशातीत है कि मिजोउरम में हिन्दी का प्रचार□प्रसार निरंतर बढ़ता रहेगा जिससे मिजोउ भाषा को ही नहीं अपितु अन्य पूर्वोतर की भाषाओं को भी एक नया संबल मिलेगा।

धन्यवाद